الدرس الثاني - هندي
أنواع النجاسة

पाठ - 2
नजासत की क़िस्में

शरीर से निकलने वाली कुछ निजासतें निम्नलिखित हैं

1. पेशाब और पाखाना

2. वदी . यह एक सफेद, गाढ़ा और गदला क़िस्म का पानी है, जो पेशाब के बाद निकलता है।

3. मज़ी . यह सफ़ेद, चिपचिपा पतला पानी है जो कम इच्छाओं के समय निकलता है।

4. मणी . यह पाक है, लेकिन यह तरल अवस्था मे है तो उसका धुलना और सूख गया हो तो खुरचना मुस्तहब है।

5. जानवरों का पेशाब और गोबर, अलबत्ता माकूलुल लहम (जिनका गोश्त खाया जाता है) जानवरों का पेशाब और गोबर पाक है।

6. हैज़ और नफ़ास

उपरोक्त सभी नजासतों को धोना और शरीर और कपड़ों में लगी हुई नजासत को दूर करना ज़रूरी है।

यदि कपड़े में मज़ी लग जाए तो केवल छींट मारना ही काफी है।

नजासत के तअल्लुक़ से कुछ अहकामात

1. यदि इंसान को कुछ ऐसा लग जाए जिसके बारे में उसे न मालूम हो कि यह पाक है या नापाक? तो बेहतर है उसे धोले,

2. अगर इंसान नमाज़ पढ़कर फ़ारिग़ होता है और अपने बदन पर गन्दगी देखता है, जिसे वह नहीं जानता था या जानता तो था मगर भूल गया था तो वाज़ेहतरीन क़ौल के मुताबिक उसकी नमाज़ सही होगी।

3. जिस व्यक्ति के कपड़ा आदि में नजासत की जगह छुपी रह जाए तो उसपर ज़रूरी है कि वह ढूंढ़े और उस जगह को धोये जिसके बारे में उसका गुमान है कि यहीं नजासत रही होगी। उसका कारण यह है कि नजासत का इसी से पता है कि कोई ठोस चीज़ लगी हो, या उसका रंग बदल गया हो, गंध आ गयी हो। लेकिन यदि ऐसा पता नहीं चलता कि किस जगह नजासत लगी है तो पूरा कपड़ा धोना होगा।